पोषणयुक्त खाधान्न हेतु स्वस्थ मृदा एवं जल प्रबंधन पर कृषक प्रशिक्षण अयोजित

राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान , क्षेत्रिय अनुसंधान केंद्र, लखनऊ के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र , हरदोई-II द्वारा एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं गोष्ठी का आयोजन ग्राम नरोइय्या , ब्लॉक भरावन, तहसील संडीला में दिनांक 01 सितंबर 2021 को किया गया। इस अवसर पर अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ छेदी लाल वर्मा ने स्वछ जल की उपयोगिता एवं भू-गर्भ जल को प्रदूषण रहित रखने के तरीके बताए और वर्षा के जल को संरक्षित करके भूजल पुनर्भरण कर देश में जल की आपूर्ति पर ज़ोर दिया। उन्होन किसानो को अवगत कराया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पोषण युक्त खाधान्न उत्पन्न करना है जिस के लिए सिंचाई जल का प्रदूषण रहित होना जरूरी। सिंचाई जल में भरपूर खनिज होने पर फसल अच्छी होगी और उपज भी पोषण युक्त होगी। उन्होने वर्षा जल संचय के विकल्प भी कृषको के समक्ष रखे तथा उनसे अपना बहुमूल्य योगदान देने को कहा। डॉ वर्मा ने भूजल के कृषि में सीमित अपयोग करने की विधि भी बतायी जिससे अमूल्य जल को व्यर्थ होने से बचाया जा सके। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ संजय अरोड़ा ने बताया कि सरकार द्वारा देश की आज़ादी के 75वे वर्ष में प्रवेश करने पर प्रधानमंत्री की संकल्पना के अनुरूप हम लोग आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे है और इसी के अंतर्गत सितंबर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है जिस की शुरुआत माननीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी द्वारा 'किसानो के लिए भोजन और पोषण ' कार्यक्रम से की

गयी। डॉ संजय अरोड़ा ने बताया कि कुपोषण को दूर करना सरकार की प्राथमिकता में से एक है जिसे किसान भाई बहनों की मदद से पूरा की जा सकता है। आज हमारे देश में खाधान्न की कोई कमी नहीं है फिर भी कुपोषण के समस्या सही अनुपात में पोषक तत्व न मिल पाने की वजह से है। इसके लिए समय समय पर मृदा की जांच कर उचित पोषक तत्व प्रबंधन करना सुनिश्चित करना होगा। इस दिशा में जैव प्रबलीकृत प्रजातियाँ , पोषण वाटिका, समेकित कृषि प्रणाली , जीवाणु खादें , फसल अवशेष प्रबंधन एवं संतुलित पोषण व जैविक खेती द्वारा सरकार के 2023 वर्ष को पोषण का राष्ट्रीय वर्ष मनाने में सार्थक तौर पर अपना योगदान दें। श्री मनीष पांडे ने भूजल की गुणवत्ता एवं मृदा स्वास्थ्य सुधारने के लिए किसानों से नयी एवं असरदार तक्निकों को अपनाने का अग्रह किया । इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिको ने किसानो के मृदा सुधार , ऊसर मृदा प्रबंधन एवं जल प्रबंधन संबन्धित प्रश्नो के उत्तर दिये। श्री रमेश , ग्राम प्रधान ने किसानों की समस्याओं को दूर करने में कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका को सराहा। इस प्रशिक्षण में क्षेत्र की 15 महिलायों सहित 55 से अधिक किसानो ने भाग लिया।

कृषक प्रशिक्षण
एवं
गोष्ठी
कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई-II

कृषक प्रशिक्षण
एवं
गोष्ठी
कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई-II